THEME EIGHT

PEASANTS, ZAMINDARS AND THE STATE

AGRARIAN SOCIETY AND THE MUGHAL EMPIRE

(C. 16th - 17th CENTURIES)

किसान, ज़मींदार और राज्य कृषि

समाज और मुग़ल साम्राज्य

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

THEME EIGHT

PEASANTS, ZAMINDARS AND THE STATE
AGRARIAN SOCIETY AND THE MUGHAL EMPIRE
(C. 16th - 17th CENTURIES)

किसान, ज़मींदार और राज्य कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

85 per cent of the population of India lived in its villages.

हिंदुस्तान में करीब-करीब 85 फ़ीसदी लोग गाँवों में रहते थे।

Both peasants and landed elites were involved in agricultural production

छोटे खेतिहर और भूमिहर संभ्रांत दोनों ही कृषि उत्पादन से जुड़े थे

Created relationships of cooperation, competition and conflict among them.

उनके बीच सहयोग, प्रतियोगिता और संघर्ष के रिश्ते बने।

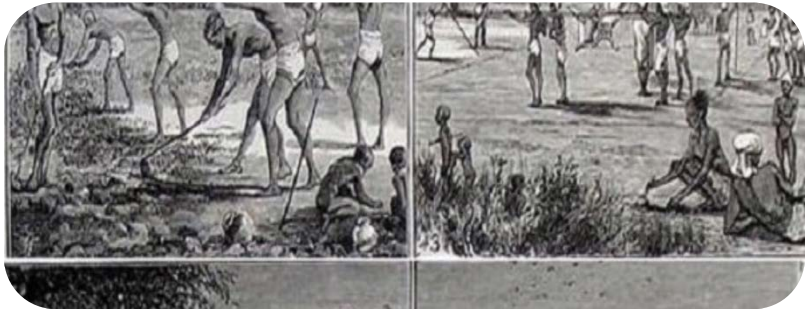

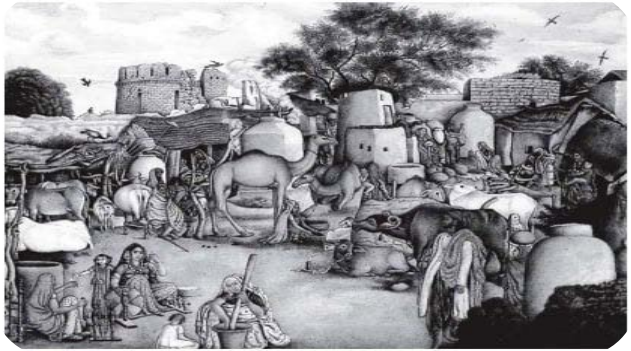

Sum of these agrarian relationships made up rural society.

खेती से जुड़े इन तमाम रिश्तों के ताने-बाने से गाँव का समाज बनता था।

Agencies from outside

बाहरी ताकतें

The Mughal state, which derived the bulk of its income from agricultural production.

मुग़ल राज्य था जो अपनी आमदनी का बहुत बड़ा हिस्सा कृषि उत्पादन से उगाहता था।

Agents of the state – revenue assessors, collectors, record keepers – sought to control rural society so as to ensure that cultivation took place and the state got its regular share of taxes from the produce.

राज्य के नुमाइंदे – राजस्व निर्धारित करने वाले, राजस्व वसूली करने वाले, हिसाब रखने वाले – ग्रामीण समाज पर काबू रखने की कोशिश करते थे। वे तसल्ली करना चाहते थे कि खेतों की जुताई हो और राज्य को उपज से अपने हिस्से का कर समय पर

Linked the agricultural areas with the towns.

खेती वाले इलाके शहर से जुड़ गए।

Peasants and Agricultural Production

किसान और कृषि उत्पादन

Basic unit of agricultural society was the village, inhabited by peasants who performed the manifold seasonal tasks that made up agricultural production throughout the year – tilling the soil, sowing seeds, harvesting the crop when it was ripe.

खेतिहर समाज की बुनियादी इकाई गाँव थी जिसमें किसान रहते थे। किसान साल भर अलग-अलग मौसम में वो तमाम काम करते थे जिससे फ़सल की पैदावार होती थी – जैसे कि ज़मीन की जुताई, बीज बोना और फ़सल पकने पर उसकी कटाई।

Further, they contributed their labour to the production of agro-based goods such as sugar and oil.

इसके अलावा वे उन वस्तुओं के उत्पादन में भी शरीक़ होते थे जो कृषि-आधारित थीं जैसे कि शक्कर, तेल इत्यादि।

Dry land or hilly regions were not cultivable

सूखी ज़मीन के विशाल हिस्सों से पहाड़ियों वाले इलाके – जहाँ उस तरह की खेती नहीं हो सकती थी

Looking for sources

स्रोतों की तलाश

Peasants did not write about themselves.

किसान अपने बारे में खुद नहीं लिखा करते थे

Source for the agrarian history

ग्रामीण समाज के क्रियाकलापों की जानकारी जो खेतों में काम करते थे।

Are chronicles and documents from the Mughal court

ऐतिहासिक ग्रंथ व दस्तावेज़ हैं जो मुग़ल दरबार की निगरानी में लिखे गए थे

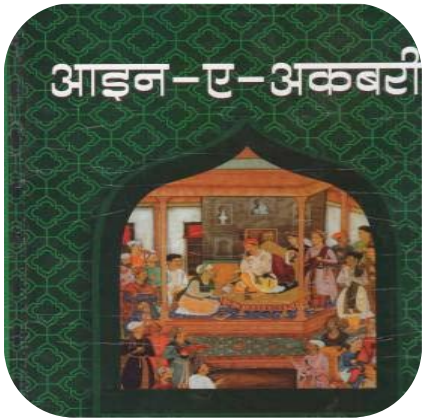

important chronicles was the Ain-i Akbari

महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों में एक था आइन-ए-अकबरी

Authored by Akbar's court historian Abul Fazl.

अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फ़ज़्ल ने लिखा था।

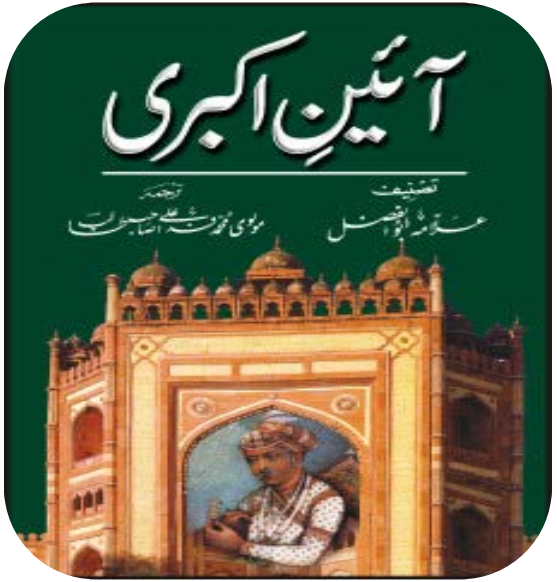

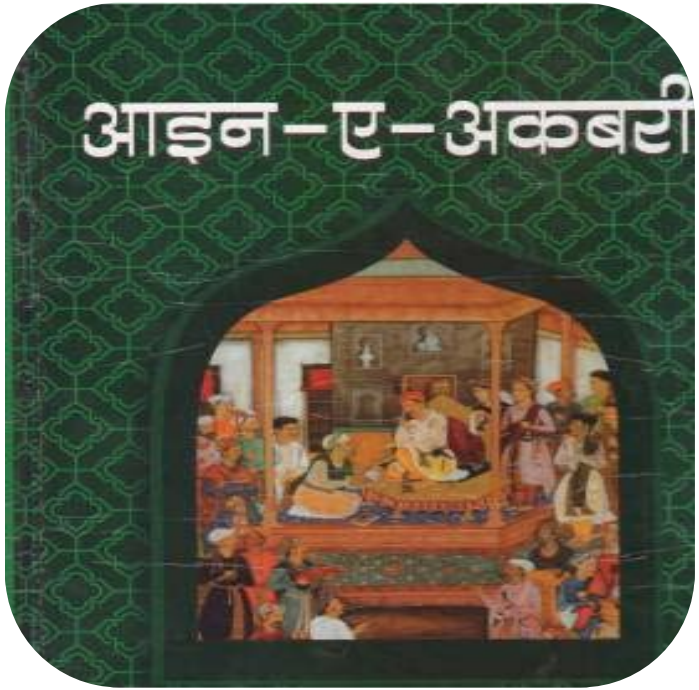

Recorded the arrangements made by the state to ensure cultivation, to enable the collection of revenue by the agencies of the state and to regulate the relationship between the state and rural magnates, the zamindars.

खेतों की नियमित जुताई की तसल्ली करने के लिए, राज्य के नुमाइंदों द्वारा करों की उगाही के लिए और राज्य व ग्रामीण सत्तापोशों यानी कि ज़मींदारों के बीच के रिश्तों के नियमन के लिए जो इंतज़ाम राज्य ने किए थे, उसका लेखा-जोखा इस ग्रंथ में बड़ी सावधानी से पेश किया गया है।

Peasants and their lands

किसान और उनकी ज़मीन

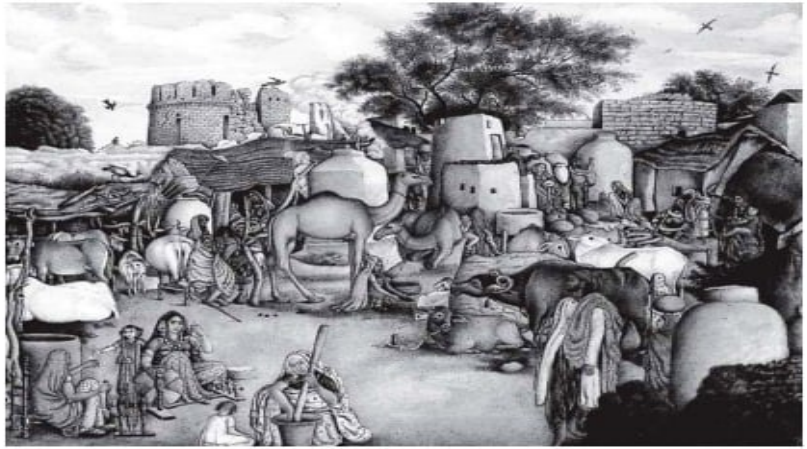

Two kinds of peasants – khud-kashta and pahi-kashta

दो किस्म के किसानों की चर्चा करते हैं – खुद–काश्त व पाहि–काश्त ।

The former were residents of the village in which they held their lands. The latter were non-resident cultivators who belonged to some other village, but cultivated lands elsewhere on a contractual basis.

पहले किस्म के किसान वे थे जो उन्हीं गाँवों में रहते थे जिनमें उनकी ज़मीन थीं। दूसरे (पाहि-काश्त) वे खेतिहर थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे।

Cultivation was based on the principle of individual ownership. Peasant lands were bought and sold in the same way as the lands of other property owners.

खेती व्यक्तिगत मिल्कियत के सिद्धांत पर आधारित थी। किसानों की ज़मीन उसी तरह खरीदी और बेची जाती थी जैसे दूसरे संपत्ति मालिकों की।

❖ Peasants on the move

This was a feature of agrarian society which struck a keen observer like Babur, the first Mughal emperor, forcefully enough for him to write about it in the Babur Nama, his memoirs:

❖ किसान बस्तियों का बसना–उजड़ना

यह हिंदुस्तानी कृषि समाज की एक ख़ासियत थी और इस ख़ासियत ने मुग़ल शासक बाबर की तेज़ निगाहों को इतना चौंकाया कि उसने इसे अपने संस्मरण बाबरनामा में नोट किया:

In Hindustan hamlets and villages, towns indeed, are depopulated and set up in a moment! If the people of a large town, one inhabited for years even, flee from it, they do it in such a way that not a sign or trace of them remains in a day and a half.

हिंदुस्तान में बस्तियाँ और गाँव, दरअसल शहर के शहर, एक लमहे में ही वीरान भी हो जाते हैं और बस भी जाते हैं। वर्षों से आबाद किसी बड़े शहर के बाशिंदे उसे छोड़कर चले जाते हैं, तो वे ये काम कुछ इस तरह करते हैं कि डेढ़ दिनों के अंदर उनका हर नामोनिशान (वहाँ से) मिट जाता है।

On the other hand, if they fix their eyes on a place to settle, they need not dig water courses because their crops are all rain-grown, and as the population of Hindustan is unlimited it swarms in.

दूसरी ओर, अगर वे किसी जगह पर बसना चाहते हैं तो उन्हें पानी के रास्ते खोदने की ज़रूरत नहीं होती क्योंकि उनकी सारी फ़सलें बारिश के पानी में उगती हैं, और चूँकि हिंदुस्तान की आबादी बेशुमार है, लोग उमड़ते चले आते हैं।

They make a tank or a well; they need not build houses or set up walls ... khas-grass abounds, wood is unlimited, huts are made, and straightaway there is a village or a town!

वे एक सरोवर या कुआँ बना लेते हैं; उन्हें घर बनाने या दीवार खड़ी करने की भी ज़रूरत नहीं होती... खस की घास बहुतायात में पाई जाती हैं, जंगल अपार हैं, झोंपड़ियाँ बनाई जाती हैं, और यकायक एक गाँव या शहर खड़ा हो जाता है!

Irrigation and technology

सिंचाई और तकनीक

Abundance of land, available labour and the mobility of peasants were three factors that accounted for the constant expansion of agriculture.

ज़मीन की बहुतायत, मजदूरों की मौजूदगी, और किसानों की गतिशीलता की वजह से कृषि का लगातार विस्तार हुआ।

PEASANTS, ZAMINDARS AND THE STATE
AGRARIAN SOCIETY AND THE MUGHAL EMPIRE
(C. 16th - 17th CENTURIES)

किसान, ज़मींदार और राज्य कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

Primary purpose of agriculture is to feed people

खेती का प्राथमिक उद्देश्य लोगों का पेट भरना था

Monsoons remained the backbone of Indian agriculture

मानसून भारतीय कृषि की रीढ़ था।

❖ Irrigating trees and fields

This is an excerpt from the Babur Nama that describes the irrigation devices the emperor observed in northern India:

❖ पेड़ों और खेतों की सिंचाई

यह बाबरनामा से लिया गया एक अंश है जो सिंचाई के उन उपकरणों के बारे में बताता है जो इस बादशाह ने उत्तर भारत में देखे:

The greater part of Hindustan country is situated on level land. Many though its towns and cultivated lands are, it nowhere has running waters ... For ... water is not at all a necessity in cultivating crops and orchards.

हिंदुस्तान के मुल्क का ज़्यादातर हिस्सा मैदानी ज़मीन पर बसा हुआ है। हालांकि यहाँ शहर और खेती लायक ज़मीन की बहुतायत है, लेकिन कहीं भी बहते पानी (का इंतज़ाम) नहीं... वे इसलिए... कि फ़सल उगाने या बागानों के लिए पानी की बिलकुल ज़रूरत नहीं है।

Autumn crops grow by the downpour of the rains themselves; and strange it is that spring crops grow even when no rains fall. (However) to young trees water is made to flow by means of buckets or wheels ...

शरद ऋतु की फ़सलें बारिश के पानी से ही पैदा हो जाती हैं; और ये हैरानगी की बात है कि बसंत ऋतु की फ़सलें तो तब भी पैदा हो जाती हैं जब बारिश बिलकुल ही नहीं होती। (फिर भी) छोटे पेड़ों तक बालटियों या रहट के ज़रिये पानी पहुँचाया जाता है...

In Lahore, Dipalpur (both in present-day Pakistan) and those other parts, people water by means of a wheel. They make two circles of rope long enough to suit the depths of the well, fix strips of wood between them, and on these fasten pitchers.

लाहौर, दीपालपुर (दोनों ही आज के पाकिस्तान में) और ऐसी दूसरी जगहों पर लोग रहट के ज़रिये सिंचाई करते हैं। वे रस्सी के दो गोलाकार फ़ंदे बनाते हैं जो कुएँ की गहराई के मुताबिक लंबे होते हैं। इन फ़ंदों में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर वे लकड़ी के गुटके लगाते हैं और इन गुटकों पर घड़े बाँध देते हैं।

The ropes with the wood and attached pitchers are put over the wheel-well. At one end of the wheel-axle a second wheel is fixed, and close to it another on an upright axle. The last wheel the bullock turns; its teeth catch in the teeth of the second (wheel), and thus the wheel with the pitchers is turned. A trough is set where the water empties from the pitchers and from this the water is conveyed everywhere.

लकड़ी के गुटकों और घड़ों से बँधी इन रस्सियों को कुएँ के ऊपर पहियों से लटकाया जाता है। पहिये की धुरी पर एक और पहिया। इस अंतिम पहिये को बैल के ज़रिये घुमाया जाता है; इस पहिये के दाँत पास के दूसरे पहिये के दाँतों को जकड़ लेते हैं और इस तरह घड़ों वाला पहिया घूमने लगता है। घड़ों से जहाँ पानी गिरता है, वहाँ एक संकरा नाला खोद दिया जाता है और इस तरीके से हर जगह पानी पहुँचाया जाता है।

In Agra, Chandwar, Bayana (all in present-day Uttar Pradesh) and those parts again, people water with a bucket ... At the well-edge they set up a fork of wood, having a roller adjusted between the forks, tie a rope to a large bucket, put the rope over a roller, and tie its other end to the bullock. One person must drive the bullock, another empty the bucket.

आगरा, चाँदवर और बयाना (आज के उत्तर प्रदेश में) में और ऐसे अन्य इलाकों में भी, लोगबाग बालटियों से सिंचाई करते हैं। कुएँ के किनारे पर वे लकड़ी के कन्ने गाड़ देते हैं, इन कन्नों के बीच बेलन टिकाते हैं, एक बड़ी बालटी में रस्सी बाँधते हैं, रस्सी को बेलन पर लपेटते हैं और इसके दूसरे छोर को बैल से बाँध देते हैं। एक शख़्स को बैल हाँकना पड़ता है, दूसरा बालटी से पानी निकालता है।

Irrigation projects received state support

सिंचाई कार्यों को राज्य की मदद भी मिलती थी।

Agriculture was labour intensive, peasants did use technologies that often harnessed cattle energy

खेती मेहनतकशी का काम था लेकिन किसान ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल भी करते थे जो अकसर पशुबल पर आधारित होती थीं।

❖ The spread of tobacco

This plant, which arrived first in the Deccan, spread to northern India in the early years of the seventeenth century. The Ain does not mention tobacco in the lists of crops in northern India. Akbar and his nobles came across tobacco for the first time in 1604.

❖ तम्बाकू का प्रसार

यह पौधा सबसे पहले दक्कन पहुँचा और वहाँ से सत्रहवीं सदी के शुरुआती वर्षों में इसे उत्तर भारत लाया गया। आइन उत्तर भारत की फ़सलों की सूची में तम्बाकू का ज़िक्र नहीं करती है। अकबर और उसके अभिजातों ने 1604 ई. में पहली बार तम्बाकू देखा।

At this time smoking tobacco (in hookahs or chillums) seems to have caught on in a big way. Jahangir was so concerned about its addiction that he banned it. This was totally ineffective because by the end of the seventeenth century, tobacco had become a major article of consumption, cultivation and trade all over India.

ऐसा लगता है कि इसी समय तम्बाकू का धूम्रपान (हुक्के या चिलम में) करने की लत ने ज़ोर पकड़ा । जहाँगीर इस बुरी आदत के फैलने से इतना चिंतित हुआ कि उसने इस पर पाबंदी लगा दी। यह पाबंदी पूरी तरह से बेअसर साबित हुई क्योंकि हम जानते हैं कि सत्रहवीं सदी के अंत तक, तम्बाकू पूरे भारत में खेती, व्यापार और उपयोग की मुख्य वस्तुओं में से एक था।

❖ Agricultural prosperity and population growth

One important outcome of such varied and flexible forms of agricultural production was a slow demographic growth.

❖ कृषि की समृद्धि और आबादी की बढ़ोतरी

कृषि उत्पादन के ऐसे विविध और लचीले तरीक़ों का एक बड़ा नतीजा यह निकला कि आबादी धीर-धीरे बढ़ने लगी ।

Despite periodic disruptions caused by famines and epidemics, India's population increased, according to calculations by economic historians, by about 50 million people between 1600 and 1800, which is an increase of about 33 per cent over 200 years.

आर्थिक इतिहासकारों की गणना के मुताबिक, समय-समय पर होने वाली भूखमरी और महामारी के बावजूद, 1600 से 1800 के बीच भारत की आबादी लगभग 5 करोड़ बढ़ गई। 200 वर्षों में यह करीब-करीब 33 फीसदी बढ़ोतरी थी।

An abundance of crops

फ़सलों की भरमार

Agriculture was organised around two major seasonal cycles, the kharif (autumn) and the rabi (spring).

मौसम के दो मुख्य चक्रों के दौरान खेती की जाती थी: एक खरीफ़ (पतझड़ में) और दूसरी रबी (वसंत में)।

Kharif Crop vs Rabi Crop

PEASANTS, ZAMINDARS AND THE STATE
AGRARIAN SOCIETY AND THE MUGHAL EMPIRE
(C. 16th - 17th CENTURIES)

किसान, ज़मींदार और राज्य कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

Kharif Crop vs Rabi Crop

Produced a minimum of two crops a year (do-fasla)

साल में कम से कम दो फ़सलें होती थीं।

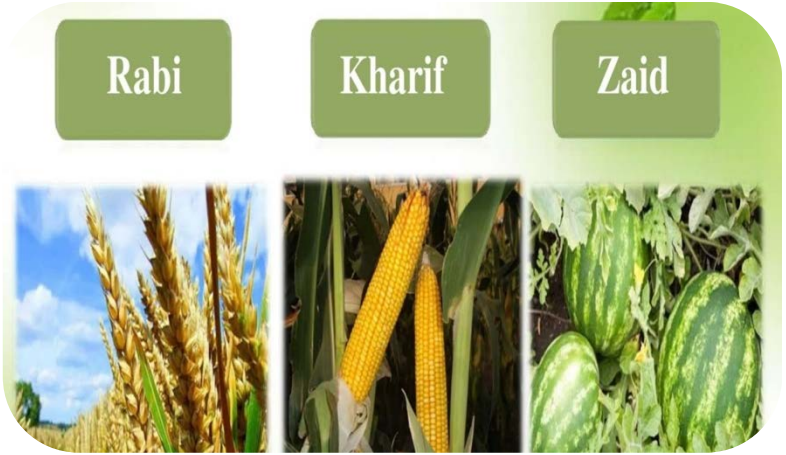

Where rainfall or irrigation assured a continuous supply of water, even gave three crops.

जहाँ बारिश या सिंचाई के अन्य साधन हर वक्त मौजूद थे वहाँ तो साल में तीन फ़सलें भी उगाई जाती थीं।

This ensured an enormous variety of produce.

इस वजह से पैदावार में भारी विविधता पाई जाती थी।

Term jins-i kamil (literally, perfect crops)

जिन्स-ए-कामिल (सर्वोत्तम फ़सलें)

Mughal state also encouraged peasants to cultivate such crops

मुग़ल राज्य भी किसानों को ऐसी फ़सलों की खेती करने के लिए बढ़ावा देता था।

New crops from different parts of the world reached the Indian subcontinent

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से कई नयी फ़सलें भारतीय उपमहाद्वीप पहुँचीं।

Maize introduced into India via Africa and Spain

मक्का भारत में अफ्रीका और स्पेन के रास्ते आया

The Village Community

ग्रामीण समुदाय

Agricultural production involved the intensive participation and initiative of the peasantry.

कृषि उत्पादन में किसानों की पुरज़ोर भागीदारी और पहल होती थी।

Peasants held their lands in individual ownership.

किसान की अपनी ज़मीन पर व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी।

At the same time they belonged to a collective village community

वे एक सामूहिक ग्रामीण समुदाय का हिस्सा थे।

There were three constituents of this community – the cultivators, the panchayat, and the village headman (muqaddam or mandal).

इस समुदाय के तीन घटक थे – खेतिहर किसान, पंचायत और गाँव का मुखिया (मुक़द्दम या मंडल)।

Caste and the rural milieu

जाति और ग्रामीण माहौल

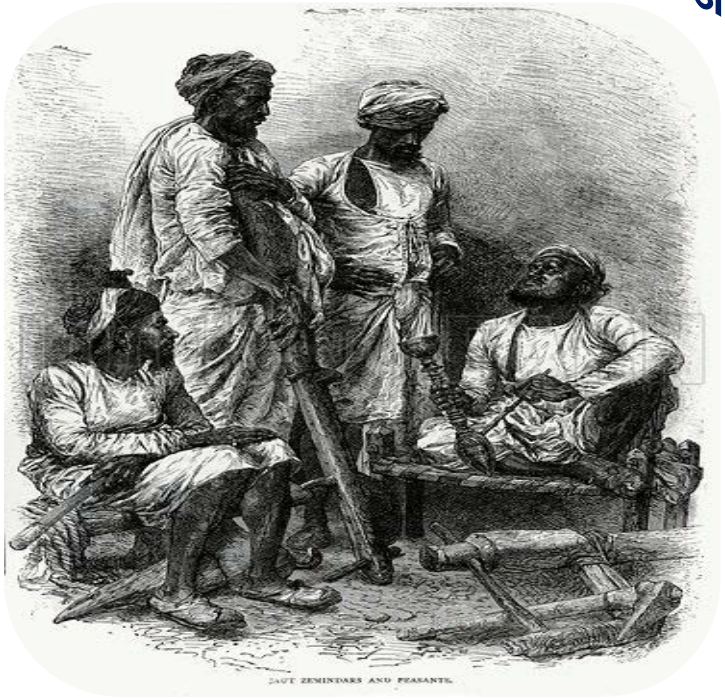

Deep inequities on the basis of caste and other castelike distinctions meant that the cultivators were a highly heterogeneous group.

जाति और अन्य जाति जैसे भेदभावों की वजह से खेतिहर किसान कई तरह के समूहों में बँटे थे।

Despite the abundance of cultivable land, certain caste groups were assigned menial tasks and thus relegated to poverty.

हालाँकि खेती लायक ज़मीन की कमी नहीं थी, फिर भी कुछ जाति के लोगों को सिर्फ नीच समझे जाने वाले काम ही दिए जाते थे। इस तरह वे ग़रीब रहने के लिए मजबूर थे।

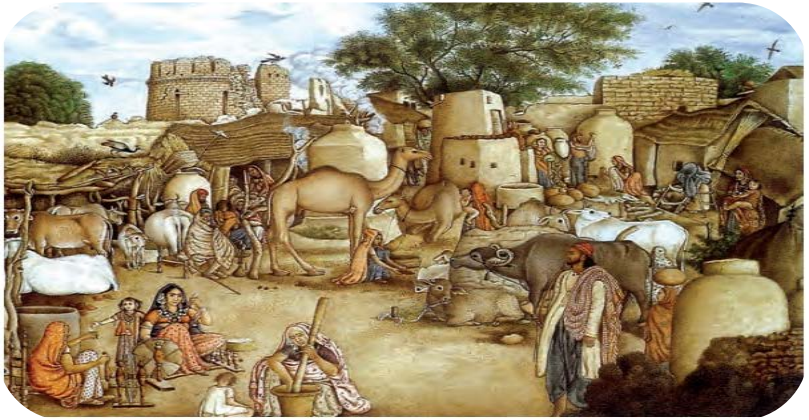

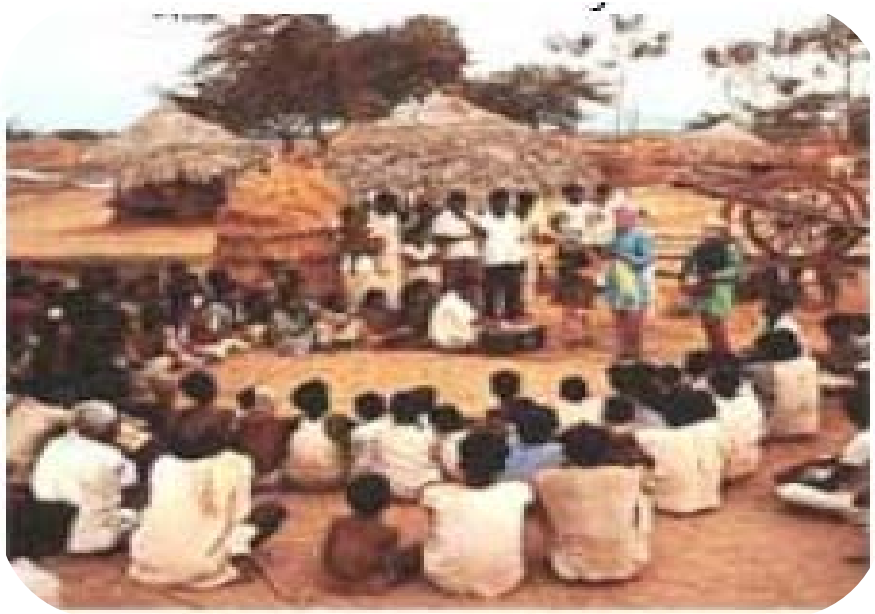

Such groups comprised a large section of the village population, had the least resources and were constrained by their position in the caste hierarchy,

गाँव की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा ऐसे ही समूहों का था। इनके पास संसाधन सबसे कम थे और ये जाति व्यवस्था की पाबंदियों से बँधे थे। इनकी हालत कमोबेश वैसी ही थी

Direct correlation between caste, poverty and social status at the lower strata of society

समाज के निचले तबकों में जाति, गरीबी और सामाजिक हैसियत के बीच सीधा रिश्ता था।

❖ Corrupt mandals

The mandals often misused their positions. They were principally accused of defrauding village accounts in connivance with the patwari, and for underassessing the revenue they owed from their own lands in order to pass the additional burden on to the smaller cultivator

❖ भ्रष्ट मंडल

मंडल अकसर अपने ओहदे का ग़लत इस्तेमाल करते थे। मुख्यतः उन पर ये आरोप था कि वे पटवारी के साथ मिलकर हिसाब-किताब में हेरा-फेरी करते थे, और यह भी कि वे अपनी ज़मीन पर कर का आकलन कम करके, अतिरिक्त बोझ छोटे किसानों पर डाल देते थे।

Panchayats and headmen

पंचायतें और मुखिया

Village panchayat was an assembly of elders, usually important people of the village with hereditary rights over their property.

गाँव की पंचायत में बुज़ुर्गों का जमावड़ा होता था। आमतौर पर वे गाँव के महत्त्वपूर्ण लोग हुआ करते थे जिनके पास अपनी संपत्ति के पुश्तैनी अधिकार होते थे।

In mixed-caste villages, the panchayat was usually a heterogeneous body

जिन गाँवों में कई जातियों के लोग रहते थे, वहाँ अकसर पंचायत में भी विविधता पाई जाती थी।

Decisions made by these panchayats were binding on the members.

पंचायत का फ़ैसला गाँव में सबको मानना पड़ता था।

Panchayat was headed by a headman known as muqaddam or mandal

पंचायत का सरदार एक मुखिया होता था जिसे मुक़द्दम या मंडल कहते थे।

Chief function of the headman was to supervise the preparation of village accounts

गाँव के आमदनी व खर्चे का हिसाब-किताब अपनी निगरानी में बनवाना मुखिया का मुख्य काम था

The panchayat derived its funds from contributions made by individuals to a common financial pool.

पंचायत का खर्चा गाँव के उस आम ख़जाने से चलता था जिसमें हर व्यक्ति अपना योगदान देता था।

Panchayat was to ensure that caste boundaries among the various communities inhabiting the village were upheld.

पंचायत का एक बड़ा काम यह तसल्ली करना था कि गाँव में रहने वाले अलग-अलग समुदायों के लोग अपनी जाति की हदों के अंदर रहें।

Panchayats also had the authority to levy fines and inflict more serious forms of punishment

पंचायतों को जुर्माना लगाने जैसे ज़्यादा गंभीर दंड देने के अधिकार थे।

Each caste or jati in the village had its own jati panchayat.

गाँव में हर जाति की अपनी पंचायत होती थी।

Village panchayat as the court of appeal that would ensure that the state carried out its moral obligations and guaranteed justice

ग्राम पंचायत को इसकी सुनवाई करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य अपना नैतिक फ़र्ज़ अदा करे और न्याय करे।

प्रारंभिक उन्नीसवीं शताब्दी का चित्र जिसमें गाँव के बुजुर्ग कर अधिकारियों से मिल रहे हैं।

Decision of the panchayat in conflicts between "lower -caste" peasants and state officials or the local zamindar could vary from case to case

"निचली जाति" के किसानों और राज्य के अधिकारियों या स्थानीय ज़मींदारों के बीच झगड़ों में पंचायत के फ़ैसले अलग-अलग मामलों में अलग-अलग हो सकते थे।

Village artisans

ग्रामीण दस्तकार

Elaborate relationship of exchange between different producers.

लोगों के बीच फैले लेन-देन के रिश्ते गाँव का एक और रोचक पहलू था।

Distinction between artisans and peasants in village society was a fluid one, as many groups performed the tasks of both.

कभी-कभी किसानों और दस्ताकारों के बीच फ़र्क करना मुश्किल होता था क्योंकि कई ऐसे समूह थे जो दोनों किस्म के काम करते थे।

Phases in the agricultural calendar when there was a relative lull in activity, as between sowing and weeding or between weeding and harvesting, were a time when cultivators could engage in artisanal production.

उन महीनों में जब उनके पास खेती के काम से फ़ुरसत होती–जैसे कि बुआई और सुहाई के बीच या सुहाई और कटाई के बीच–उस समय ये खेतिहर दस्तकारी का काम करते थे।

Village artisans provided specialised services in return for which they were compensated by villagers by a variety of means.

ग्रामीण दस्तकार भी अपनी सेवाएँ गाँव के लोगों को देते थे जिसके बदले गाँव वाले उन्हें अलग-अलग तरीक़ों से उन सेवाओं की अदायगी करते थे।

Giving them a share of the harvest, or an allotment of land

उन्हें फ़सल का एक हिस्सा दे दिया जाता था या फिर गाँव की ज़मीन का एक टुकड़ा,

Artisans and individual peasant households entered into a mutually negotiated system of remuneration, most of the time goods for services.

दस्तकार और हरेक खेतिहर परिवार परस्पर बातचीत करके अदायगी की किसी एक व्यवस्था पर राज़ी होते थे। ऐसे में आमतौर पर वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय होता था।

A "little republic"?

एक "छोटा गणराज्य"?

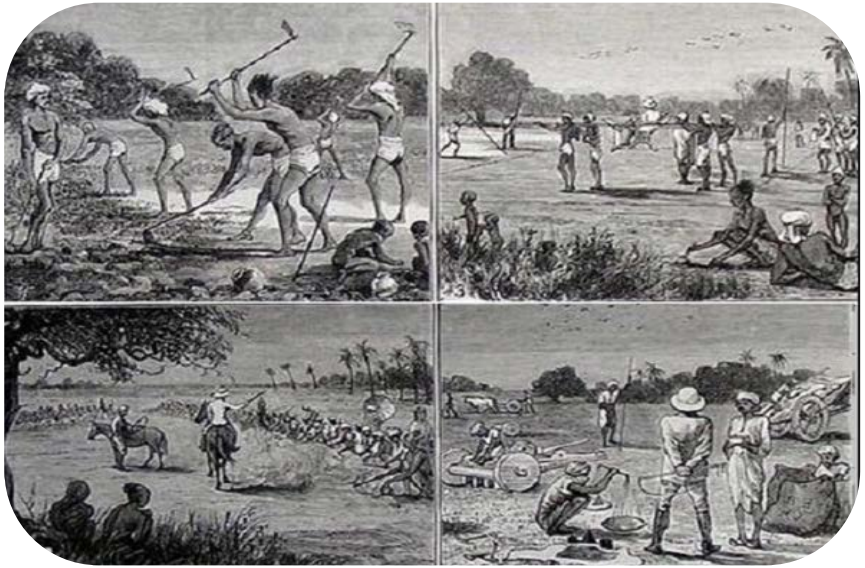

British officials saw the village as a "little republic" made up of fraternal partners sharing resources and labour in a collective.

अंग्रेज़ अफ़सरों ने भारतीय गाँवों को एक ऐसे "छोटे गणराज्य" के रूप में देखा जहाँ लोग सामूहिक स्तर पर भाईचारे के साथ संसाधनों और श्रम का बँटवारा करते थे।

individual ownership of assets and deep inequities based on caste and gender distinctions

संपत्ति की व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी, साथ ही जाति और जेंडर (सामाजिक लिंग) के नाम पर समाज में गहरी विषमताएँ थीं।

Powerful individuals decided the affairs of the village, exploited the weaker sections and had the authority to dispense justice

ताकतवर लोग गाँव के मसलों पर फ़ैसले लेते थे और कमज़ोर वर्गों का शोषण करते थे। न्याय करने का अधिकार भी उन्हीं को मिला हुआ था।

Revenue was assessed and collected in cash.

कर की गणना और वसूली भी नकद में की जाती थी।

❖ Money in the village

The seventeenth-century French traveller Jean-Baptiste Tavernier found it remarkable that in "India a village must be very small indeed if it has not a moneychanger called a Shroff. (They) act as bankers to make remittances of money (and who) enhance the rupee as they please for paisa and the paisa for these (cowrie) shells"

गाँव में मुद्रा

सत्रहवीं सदी में फ्रांसीसी यात्री ज़्यां बैप्टिस्ट तैवर्नियर को यह बात उल्लेखनीय लगी कि "भारत में वे गाँव बहुत ही छोटे कहे जाएँगे जिनमें मुद्रा की फेर बदल करने वाले, जिन्हें सराफ़ कहते हैं, न हों। एक बैंकर की तरह सराफ़ हवाला भुगतान करते हैं (और) अपनी मर्ज़ी के मुताबिक पैसे के मुकाबले रुपये की कीमत बढ़ा देते हैं और कौड़ियों के मुकाबले पैसे की।

Women in Agrarian Society

कृषि समाज में महिलाएँ

चित्र 8.7
सूत कातती महिला

Men tilled and ploughed, while women sowed, weeded, threshed and winnowed the harvest

मर्द खेत जोतते थे व हल चलाते थे और महिलाएँ बुआई, निराई और कटाई के साथ-साथ पकी हुई फ़सल का दाना निकालने का काम करती थीं।

Basis of production was the labour and resources of the entire household.

घर–परिवार के संसाधन और श्रम, उत्पादन की बुनियाद बने।

चित्र 8.8 (क)
फ़तेहपुर सीकरी का निर्माण।
महिलाएँ पत्थर तोड़ रही हैं।

Artisanal tasks such as spinning yarn, sifting and kneading clay for pottery, and embroidery were among the many aspects of production dependent on female labour.

सूत कातने, बरतन बनाने के लिए मिट्टी को साफ़ करने और गूँधने, और कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के काम उत्पादन के ऐसे पहलू थे जो महिलाओं के श्रम पर निर्भर थे।

Peasant and artisan women worked not only in the fields, but even went to the houses of their employers or to the markets

किसान और दस्तकार महिलाएँ न सिर्फ़ खेतों में काम करती थीं बल्कि नियोक्ताओं के घरों पर भी जाती थीं और बाज़ारों में भी।

चित्र 8.8 (ख)
बोझा ढोती महिलाएँ।
आस-पास के दूसरे गाँवों से आने वाली महिलाएँ अकसर ऐसे निर्माण-स्थलों पर काम करती थीं।

Women were considered an important resource in agrarian society also because they were child bearers in a society dependent on labour.

चूँकि समाज श्रम पर निर्भर था, इसलिए बच्चे पैदा करने की अपनी क़ाबिलियत की वजह से महिलाओं को महत्त्वपूर्ण संसाधन के रूप में देखा जाता था।

high mortality rates among women – owing to malnutrition, frequent pregnancies, death during childbirth – often meant a shortage of wives. This led to the emergence of social customs in peasant and artisan communities that were distinct from those prevalent among elite groups. Marriages in many rural communities required the payment of bride-price rather than dowry to the bride's family.

शादी–शुदा महिलाओं की कमी थी क्योंकि कुपोषण, बार–बार माँ बनने और प्रसव के वक़्त मौत की वजह से महिलाओं में मृत्युदर बहुत ज़्यादा था। इससे किसान और दस्तकार समाज में ऐसे सामाजिक रिवाज पैदा हुए जो संभ्रांत समूहों से बहुत अलग थे। कई ग्रामीण संप्रदायों में शादी के लिए ''दुलहन की कीमत'' अदा करने की ज़रूरत होती थी, न कि दहेज की।

Household was headed by a male. Thus women were kept under strict control by the male members of the family and the community.

घर का मुखिया मर्द होता था। इस तरह महिला पर परिवार और समुदाय के मर्दों द्वारा पुरज़ोर काबू रखा जाता था।

Women had the right to inherit property.

महिलाओं को पुश्तैनी संपत्ति का हक़ मिला हुआ था।

Forests and Tribes : Beyond settled villages

जंगल और कबीले : बसे हुए गाँवों के परे

Dense forest (jangal) or scrubland (kharbandi) – existed all over eastern India, central India, northern India Jharkhand, peninsular India down the Western Ghats Deccan plateau

विशाल हिस्से जंगल या झाड़ियों (खरबंदी) से घिरे थे। ऐसे इलाके झारखंड सहित पूरे पूर्वी भारत, मध्य भारत, उत्तरी क्षेत्र दक्षिणी भारत का पश्चिमी घाट और दक्कन के पठारों में फैले हुए थे।

The term described those whose livelihood came from the gathering of forest produce, hunting and shifting agriculture.

इस शब्द का इस्तेमाल ऐसे लोगों के लिए होता था जिनका गुज़ारा जंगल के उत्पादों, शिकार और स्थानांतरीय खेती से होता था।

Forest dwellers were termed jangli

जंगल में रहने वालों के लिए जंगली शब्द का इस्तेमाल करती है।

Inroads into forests

जंगलों में घुसपैठ

The hunt was a subject frequently painted by court artists

दरबारी कलाकारों के चित्रों में शिकार का विषय बार-बार आता था।

❖ Clearance of forests for agricultural settlements

This is an excerpt from a sixteenth-century Bengali poem, Chandimangala, composed by Mukundaram Chakrabarti. The hero of the poem, Kalaketu, set up a kingdom by clearing forests:

❖ कृषि बस्तियों के लिए जंगलों का सफ़ाया

यह सोलहवीं सदी में मुकुंदराम चक्रवर्ती की लिखी एक बंगाली कविता चंडीमंगल का एक अंश है। कविता के नायक, कालकेतु ने जंगल खाली करवा के, एक साम्राज्य की स्थापना की :

Hearing the news, outsiders came from various lands.
Kalaketu then bought and distributed among them
Heavy knives, axes, battle-axes and pikes.
From the north came the Das (people)
One hundred of them advanced.

ख़बर मिलते ही, परदेसी आने लगे तमाम जगहों से।
फिर कालकेतु ने ख़रीद कर बाँटे उनमें
भारी भरकम चाकू, कुल्हाड़ी, और भाले-बरछे।
उत्तर से आए दास
सैकड़ों उमड़ते हुए।

They were struck with wonder on seeing Kalaketu
Who distributed betel-nut to each of them.
From the south came the harvesters
Five hundred of them under one organiser.
From the west came Zafar Mian,
Together with twenty-two thousand men.

हुए चकित देखकर कालकेतु को
जिसने दी सुपारी एक-एक को।
दक्खिन से आए फ़सल कटाई वाले
एक उद्यमी के साथ पाँच सौ।
पश्चिम से आया ज़फ़र मियाँ
साथ में बाईस हज़ार लोग।

Sulaimani beads in their hands

They chanted the names of their pir and paighambar (Prophet).

Having cleared the forest

They established markets

हाथों में सुलेमानी मोती की माला

जपते हुए पीर ओ पैग़म्बर का नाम।

जंगलों को हटाने के बाद

उन्होंने बसाए बाज़ार।

Hundreds and hundreds of foreigners
Ate and entered the forest.
Hearing the sound of the axe,
Tigers became apprehensive and ran away, roaring

सैकड़ों सैकड़ों की तादाद में बिदेसी
जंगलों को (जैसे) खा लिए, और घुस आए वहाँ।
कुल्हाड़ियों की आवाज़ सुनकर
शेर डर गए और दहाड़ते हुए भाग निकले।

Pargana was an administrative subdivision of a Mughal province.

परगना मुग़ल प्रांतों में एक प्रशासनिक प्रमंडल था।

Peshkash was a form of tribute collected by the Mughal state.

पेशकश मुग़ल राज्य के द्वारा ली जाने वाली एक तरह की भेंट थी।

❖ Trade between the hill tribes and the plains, c. 1595

This is how Abu'l Fazl describes the transactions between the hill tribes and the plains in the suba of Awadh (part of present-day Uttar Pradesh):

❖ पहाड़ी कबीलों और मैदानों के बीच व्यापार, लगभग 1595

अवध सूबे (आज के उत्तर प्रदेश का हिस्सा) के मैदानी इलाकों और पहाड़ी कबीलों के बीच होने वाले लेन-देन के बारे में अबुल फ़ज़्ल ने कुछ इस तरह लिखा है:

From the northern mountains quantities of goods are carried on the backs of men, of stout ponies and of goats, such as gold, copper, lead, musk, tails of the kutas cow (the yak), honey, chuk (an acid composed of orange juice and lemon boiled together), pomegranate seed, ginger, long pepper, majith (a plant producing a red dye) root,

उत्तर के पहाड़ों से इंसानों, मोटे-मोटे घोड़ों और बकरों की पीठ पर लादकर बेशुमार सामान ले जाए जाते हैं, जैसे कि सोना, ताँबा, शीशा, कस्तूरी, सुरागाय (याक) की पूँछ, शहद, चुक (संतरे के रस और नींबू के रस को साथ उबालकर बनाया जाने वाला एक अम्ल), अनार दाना, अदरख, लंबी मिर्च, मजीठ (जिससे लाल रंग बनाया जाता है) की जड़े

borax, zedoary (a root resembling turmeric), wax, woollen stuffs, wooden ware, hawks, falcons, black falcons, merlins (a kind of bird), and other articles. In exchange they carry back white and coloured cloths, amber, salt, asafoetida, ornaments, glass and earthen ware.

सुहागा, ज़दवार (हल्दी जैसी एक जड़), मोम, ऊनी कपड़े, लकड़ी के सामान, चील, बाज़, काले बाज़, मर्लिन (बाज़ पक्षी की ही एक किस्म), और अन्य वस्तुएँ। इसके बदले, वे सफ़ेद और रंगीन कपड़े, कहरुबा (एक पीला-भूरा धातु जिससे गहने बनाए जाते थे), नमक, हींग, गहने और शीशे व मिट्टी के बरतन वापिस ले जाते हैं।

Commercial agriculture

वाणिज्यिक खेती

Forest products – like honey, beeswax and gum lac – were in great demand.

जंगल के उत्पाद–जैसे शहद, मधुमोम और लाक की बहुत माँग थी।

Elephants were also captured and sold.

हाथी भी पकड़े और बेचे जाते थे।

“big men” of the village community, tribes also had their chieftains.

कबीलों के भी सरदार होते थे, बहुत कुछ ग्रामीण समुदाय के ‘‘बड़े आदमियों’’ की तरह।

tribal chiefs had become zamindars, some even became kings.

कई कबीलों के सरदार ज़मींदार बन गए. कुछ तो राजा भी हो गये।

For this they required to build up an army. They recruited people from their lineage groups or demanded that their fraternity provide military service

ऐसे में उन्हें सेना खड़ी करने की ज़रूरत हुई। उन्होंने अपने ही खानदान के लोगों को सेना में भर्ती किया; या फिर अपने ही भाई-बंधुओं से सैन्य सेवा की माँग की।

War was a common occurrence.

युद्ध एक आम घटना थी।

The Zamindars

ज़मींदार

Class of people in the countryside that lived off agriculture but did not participate directly in the processes of agricultural production

गाँवों में रहने वाले एक ऐसे तबके की बात न करें जिनकी कमाई तो खेती से आती थी लेकिन कृषि उत्पादन में सीधे हिस्सेदारी नहीं करते थे।

These were the zamindars who were landed proprietors who also enjoyed certain social and economic privileges by virtue of their superior status in rural society

ये ज़मींदार थे जो अपनी ज़मीन के मालिक होते थे और जिन्हें ग्रामीण समाज में ऊँची हैसियत की वजह से कुछ खास सामाजिक और आर्थिक सुविधाएँ मिली हुई थीं।

Caste was one factor that accounted for the elevated status of zamindars; another factor was that they performed certain services (khidmat) for the state.

ज़मींदारों की बढ़ी हुई हैसियत के पीछे एक कारण जाति था; दूसरा कारण यह था कि वे लोग राज्य को कुछ खास किस्म की सेवाएँ (ख़िदमत) देते थे।

Zamindars held extensive personal lands termed milkiyat, meaning property

ज़मींदारों की समृद्धि की वजह थी उनकी विस्तृत व्यक्तिगत ज़मीन।

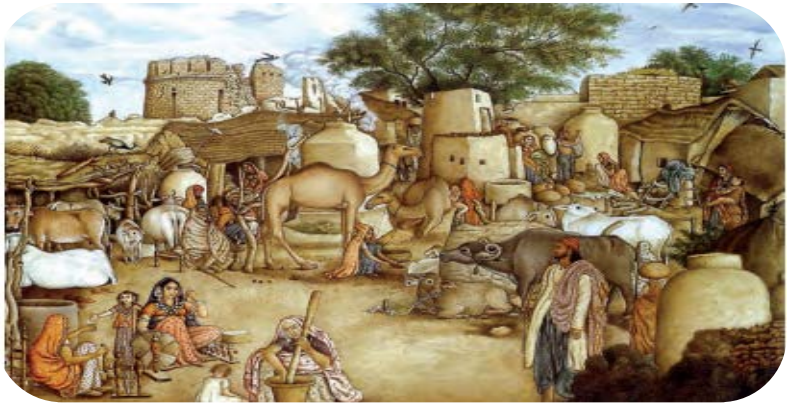

Zamindars could sell, bequeath or mortgage these lands at will.

ज़मींदार अपनी मर्ज़ी के मुताबिक इन ज़मीनों को बेच सकते थे, किसी और के नाम कर सकते थे या उन्हें गिरवी रख सकते थे।

Collect revenue on behalf of the state, a service for which they were compensated financially

राज्य की ओर से कर वसूल कर सकते थे। इसके बदले उन्हें वित्तीय मुआवज़ा मिलता था।

Control over military resources

सैनिक संसाधन उनकी ताकत का एक और ज़रिया था।

Dispossession of weaker people by a powerful military chieftain was quite often a way of expanding a zamindari.

ज़मींदारी फैलाने का एक तरीक़ा था ताकतवर सैनिक सरदारों द्वारा कमज़ोर लोगों को बेदखल करना।

Colonisation of new lands, by transfer of rights, by order of the state and by purchase.

नयी ज़मीनों को बसाकर (जंगल–बारी), अधिकारों के हस्तांतरण के ज़रिये, राज्य के आदेश से, या फिर खरीद कर।

Consolidation of clan- or lineage-based zamindaris.

ज़मींदारियों को पुख्ता होने का मौका दिया।

Zamindars spearheaded the colonisation of agricultural land, and helped in settling cultivators by providing them with the means of cultivation

ज़मींदारों ने खेती लायक ज़मींनों को बसाने में अगुआई की और खेतिहरों को खेती के साजो–सामान व उधार देकर उन्हें वहाँ बसने में भी मदद की।

Zamindars often established markets (haats) to which peasants also came to sell their produce.

ज़मींदार अकसर बाज़ार (हाट) स्थापित करते थे जहाँ किसान भी अपनी फ़सलें बेचने आते थे।

Doubt that zamindars were an exploitative class

इसमें कोई शक नहीं कि ज़मींदार शोषण करने वाला तबका था

Two aspects : First, the bhakti saints, did not portray the zamindars as exploiters or oppressors of the peasantry.

दो पहलू : एक तो ये कि भक्ति संतों ने ज़मींदारों को किसानों के शोषक या उन पर अत्याचार करने वाले के रूप में नहीं दिखाया।

Second, large number of agrarian uprisings zamindars often received the support of the peasantry in their struggle against the state

दूसरे, भारी संख्या में कृषि विद्रोह हुए । राज्य के ख़िलाफ़ ज़मींदारों को अकसर किसानों का समर्थन मिला।

Land Revenue System

भू-राजस्व प्रणाली

Revenue from the land was the economic mainstay of the Mughal Empire.

ज़मीन से मिलने वाला राजस्व मुग़ल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी।

To ensure control over agricultural production, and to fix and collect revenue from across the length and breadth of the rapidly expanding empire.

कृषि उत्पादन पर नियंत्रण रखने के लिए और राजस्व आकलन व वसूली के लिए यह ज़रूरी था कि राज्य एक प्रशासनिक तंत्र खड़ा करे।

Office (daftar) of the diwan who was responsible for supervising the fiscal system of the empire

दीवान, जिसके दफ़्तर पर पूरे राज्य की वित्तीय व्यवस्था के देख-रेख की ज़िम्मेदारी थी

Revenue officials and record keepers penetrated the agricultural domain and became a decisive agent in shaping agrarian relations.

हिसाब रखने वाले और राजस्व अधिकारी खेती की दुनिया में दाखिल हुए और कृषि संबंधों को शक्ल देने में एक निर्णायक ताकत के रूप में उभरे।

land revenue arrangements consisted of two stages – first, assessment and then actual collection.

भू-राजस्व के इंतज़ामात में दो चरण थे : पहला, कर निर्धारण और दूसरा, वास्तविक वसूली।

The jama was the amount assessed, as opposed to hasil, the amount collected.

जमा निर्धारित रक़म थी और हासिल सचमुच वसूली गई रक़म।

Amil-guzar or revenue collector, Akbar decreed that while he should strive to make cultivators pay in cash, the option of payment in kind was also to be kept open.

अमील–गुज़ार या राजस्व वसूली करने वाले के कामों की सूची में अकबर ने यह हुक्म दिया कि जहाँ उसे (अमील–गुज़ार को) कोशिश करनी चाहिए कि खेतिहर नक़द भुगतान करे, वहीं फ़सलों में भुगतान का विकल्प भी खुला रहे।

Both cultivated and cultivable lands were measured in each province

हर प्रांत में जुती हुई ज़मीन और जोतने लायक ज़मीन दोनों की नपाई की गई।

Aurangzeb expressly instructed his revenue officials to prepare annual records of the number of cultivators in each village

औरंगज़ेब ने अपने राजस्व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि हर गाँव में खेतिहरों की संख्या का सालाना हिसाब रखा जाए

❖ Classification of lands under Akbar

The following is a listing of criteria of classification excerpted from the Ain: The Emperor Akbar in his profound sagacity classified the lands and fixed a different revenue to be paid by each.

❖ अकबर के शासन में भूमि का वर्गीकरण

आइन में वर्गीकरण के मापदंड की निम्नलिखित सूची दी गई है: अकबर बादशाह ने अपनी गहरी दूरदर्शिता के साथ ज़मींनों का वर्गीकरण किया और हरेक (वर्ग की ज़मीन) के लिए अलग-अलग राजस्व निर्धारित किया।

Polaj is land which is annually cultivated for each crop in succession and is never allowed to lie fallow. Parauti is land left out of cultivation for a time that it may recover its strength. Chachar is land that has lain fallow for three or four years.

पोलज वह ज़मीन है जिसमें एक के बाद एक हर फ़सल की सालाना खेती होती है और जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता है। परौती वह ज़मीन है जिस पर कुछ दिनों के लिए खेती रोक दी जाती है ताकि वह अपनी खोयी ताकत वापस पा सके। चचर वह ज़मीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है।

Banjar is land uncultivated for five years and more. Of the first two kinds of land, there are three classes, good, middling, and bad. They add together the produce of each sort, and the third of this represents the medium produce, one-third part of which is exacted as the Royal dues.

बंजर वह ज़मीन है जिस पर पाँच या उससे ज़्यादा वर्षों से खेती नहीं की गई हो। पहले दो प्रकार की ज़मीन की तीन किस्में हैं, अच्छी, मध्यम और खराब। वे हर किस्म की ज़मीन के उत्पाद को जोड़ देते हैं, और इसका तीसरा हिस्सा मध्यम उत्पाद माना जाता है, जिसका एक-तिहाई हिस्सा शाही शुल्क माना जाता है।

Amin was an official responsible for ensuring that imperial regulations were carried out in the provinces.

अमीन एक मुलाज़िम था जिसकी ज़िम्मेवारी यह सुनिश्चित करना था कि प्रांतों में राजकीय नियम कानूनों का पालन हो रहा है।

❖The mansabdari system

The Mughal administrative system had at its apex a militarycum-bureaucratic apparatus (mansabdari) which was responsible for looking after the civil and military affairs of the state.

❖मनसबदारी व्यवस्था

मुग़ल प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर एक सैनिक–नौकरशाही तंत्र (मनसबदारी) था जिस पर राज्य के सैनिक व नागरिक मामलों की ज़िम्मेदारी थी।

Some mansabdars were paid in cash (naqdi), while the majority of them were paid through assignments of revenue (jagirs) in different regions of the empire. They were transferred periodically

कुछ मनसबदारों को नक़दी भुगतान किया जाता था, जब कि उनमें से ज़्यादातर को साम्राज्य के अलग-अलग हिस्सों में राजस्व के आबंटन के ज़रिये भुगतान किया जाता था। समय-समय पर उनका तबादला किया जाता था।

❖Cash or kind?

The Ain on land revenue collection: Let him (the amil-guzar) not make it a practice of taking only in cash but also in kind. The latter is effected in several ways.

❖ नक़द या जीन्स ?

आइन से यह एक और अनुच्छेद है: अमील-गुज़ार सिर्फ़ नक़द लेने की आदत न डाले बल्कि फ़सल भी लेने के लिए तैयार रहे। यह बाद वाला तरीक़ा कई तरह से काम में लाया जा सकता है।

First, kankut : in the Hindi language kan signifies grain, and kut, estimates ... If any doubts arise, the crops should be cut and estimated in three lots, the good, the middling, and the inferior, and the hesitation removed. Often, too, the land taken by appraisement, gives a sufficiently accurate return.

पहला, कणकुत: हिंदी ज़ुबान में कण का मतलब है, अनाज, और कुत, अंदाज़ा ..... अगर कोई शक हो, तो फ़सल को तीन अलग-अलग पुलिंदों में काटना चाहिए– अच्छा, मध्यम और बदतर, और इस तरह शक दूर करना चाहिए। अकसर अंदाज़ से किया गया ज़मीन का आकलन भी पर्याप्त रूप से सही नतीजा देता है।

Secondly, batai, also called bhaoli, the crops are reaped and stacked and divided by agreement in the presence of the parties. But in this case several intelligent inspectors are required; otherwise, the evil-minded and false are given to deception.

दूसरा, बटाई जिसे भाओली भी कहते हैं (में), फ़सल काट कर जमा कर लेते हैं, और फ़िर सभी पक्षों की मौजूदगी में व रज़ामंदी में बँटवारा करते हैं। लेकिन इसमें कई समझदार निरीक्षकों की ज़रूरत पड़ती है; वर्ना दुष्ट-बुद्धि और मक्कार धोखेबाज़ी की नीयत रखते हैं।

Thirdly, khet-batai, when they divide the fields after they are sown. Fourthly, lang batai , after cutting the grain, they form it in heaps and divide it among themselves, and each takes his share home and turns it to profit.

तीसरे, खेत बटाई जब वे बीज बोने के बाद खेत बाँट लेते हैं। चौथे, लाँग बटाई; फ़सल काटने के बाद, वे उसका ढेर बना लेते हैं और फिर उसे अपने में बाँट लेते हैं, और हरेक (पक्ष) अपना हिस्सा घर ले जाता है और उससे मुनाफ़ा कमाता है।

❖The jama

This is an excerpt from Aurangzeb's order to his revenue official, 1665:

❖ जमा

1665 ई. में अपने राजस्व अधिकारी को औरंगज़ेब के द्वारा दिये गए हुक्म का एक अंश :

He should direct the amins of the parganas that they should discover the actual conditions of cultivation (maujudat), village by village, peasant-wise (asamiwar), and after minute scrutiny, assess the jama, keeping in view the financial interests (kifayat) of the government, and the welfare of the peasantry

वे परगनाओं के अमीनों को निर्देश दें कि वे हर गाँव, हर किसान (आसामीवार) के बावत खेती के मौजूदा हालात (मौजूदात) पता करें, और बारीकी से उनकी जाँच करने के बाद सरकार के वित्तीय हितों (किफ़ायत) व किसानों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए जमा निर्धारित करें।

The Flow of Silver

चाँदी का बहाव

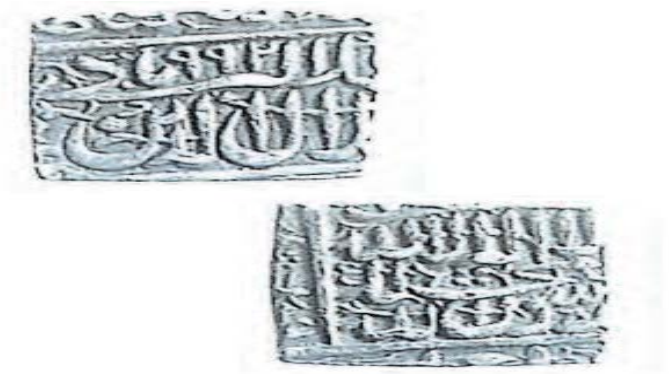

अकबर द्वारा जारी किए गए चाँदी के रुपये की दोनों तरफ़ें

Mughal Empire was among the large territorial empires in Asia

मुग़ल साम्राज्य एशिया के उन बड़े साम्राज्यों में एक था

Empires helped create vibrant networks of overland trade from China to the Mediterranean Sea.

साम्राज्यों की राजनीतिक स्थिरता ने चीन से लेकर भूमध्य सागर तक ज़मीनी व्यापार का जीवंत जाल बिछाने में मदद की।

Massive expansion of Asia's (particularly India's) trade with Europe.

यूरोप के साथ एशिया के व्यापार में भारी विस्तार हुआ।

This resulted in a greater geographical diversity of India's overseas trade as well as an expansion in the commodity composition of this trade.

इस वजह से भारत के समुद्र-पार व्यापार में एक ओर भौगोलिक विविधता आई तो दूसरी ओर कई नयी वस्तुओं का व्यापार भी शुरू हो गया।

यूरोपीय बाज़ारों की माँगों को पूरा करने के लिए भारतीय उपमहाद्वीप के वस्त्र उत्पादन का एक उदाहरण

औरंगज़ेब द्वारा जारी किया गया चाँदी का रुपया

Expanding trade brought in huge amounts of silver bullion into Asia to pay for goods procured from India,

लगातार बढ़ते साथ, भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं का भुगतान करने के लिए एशिया में भारी मात्रा में चाँदी आई।

Good for India as it did not have natural resources of silver.

यह भारत के लिए अच्छा था क्योंकि यहाँ चाँदी के प्राकृतिक संसाधन नहीं थे।

Stability in the availability of metal currency, particularly the silver rupya in India. This facilitated an unprecedented expansion of minting of coins and the circulation of money in the economy as well as the ability of the Mughal state to extract taxes and revenue in cash.

भारत में धातु मुद्रा–खास कर चाँदी के रुपयों–की उपलब्धि में अच्छी स्थिरता बनी रही। इसके साथ ही एक तरफ़ तो अर्थव्यवस्था में मुद्रा संचार और सिक्कों की ढलाई में अभूतपूर्व विस्तार हुआ, दूसरी तरफ़ मुग़ल राज्य को नकदी कर उगाहने में आसानी हुई।

❖ How silver came to India

This excerpt from Giovanni Careri's account (based on Bernier's account) gives an idea of the enormous amount of wealth that found its way into the Mughal Empire:

❖ भारत में चाँदी कैसे आई?

जोवान्नी कारेरी के लेख (बर्नियर के लेख पर आधारित) के निम्नलिखित अंश से हमें पता चलता है कि मुग़ल साम्राज्य में कितनी भारी मात्रा में बाहर से धन आ रहा था:

That the Reader may form some idea of the Wealth of this (Mughal) Empire, he is to observe that all the Gold and Silver, which circulates throughout the World at last Centres here. It is well known that as much of it comes out of America, after running through several Kingdoms of Europe, goes partly into Turky (Turkey), for several sorts of Commodities; and part into Persia, by the way of Smirna for Silk.

(मुग़ल) साम्राज्य की धन-संपत्ति का अंदाज़ा लगाने के लिए पाठक इस बात पर गौर करें कि दुनिया भर में बिचरने वाला सारा सोना-चाँदी आखिरकार यहीं पहुँच जाता है। ये सब जानते हैं कि इसका बहुत बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है, और यूरोप के कई राज्यों से होते हुए, (इसका) थोड़ा-सा हिस्सा कई तरह की वस्तुओं के लिए तुर्की में जाता है; और थोड़ा-सा हिस्सा रेशम के लिए स्मिरना होते हुए फ़ारस पहुँचता है।

Besides the Indian, Dutch, English, and Portuguese Ships, that every Year carry the Commodities of Indostan, to Pegu, Tanasserri (parts of Myanmar), Siam (Thailand), Ceylon (Sri Lanka) ... the Maldive Islands, Mozambique and other Places, must of necessity convey much Gold and Silver thither, from those Countries.

भारतीय जहाज़ों के अलावा जो डच, अंग्रेज़ी और पुर्तगाली जहाज़ हर साल इंदोस्तान की वस्तुएँ लेकर पेगू, तानस्सेरी (म्यांमार के हिस्से), स्याम (थाइलैंड), सीलोन (श्रीलंका)... मालदीव के टापू, मोज़ाम्बीक़ और अन्य जगहें ले जाते हैं, (इन्हीं जहाज़ों को) निश्चित तौर पर बहुत सारा सोना-चाँदी इन देशों से लेकर वहाँ (हिंदुस्तान) पहुँचाना पड़ता है।

All that the Dutch fetch from the Mines in Japan, sooner or later, goes to Indostan; and the goods carry'd hence into Europe, whether to France, England, or Portugal, are all purchas'd for ready Mony, which remains there.

वो सब कुछ, जो डच लोग जापान की खानों से हासिल करते हैं, देर-सवेर इंदोस्तान (को) चला जाता है; और यहाँ से यूरोप को जाने वाली सारी वस्तुएँ, चाहे वो फ्रांस जाएँ या इंग्लैंड या पुर्तगाल, सभी नकद में खरीदी जाती हैं, जो (नकद) वहीं (हिंदुस्तान में) रह जाता है।

Ain-i Akbari was the culmination of a large historical, administrative project of classification undertaken by Abul Fazl at the order of Emperor Akbar.

आइन-ए-अकबरी आँकड़ों के वर्गीकरण के एक बहुत बड़े ऐतिहासिक और प्रशासनिक परियोजना का नतीजा थी जिसका ज़िम्मा बादशाह अकबर के हुक्म पर अबुल फ़ज़्ल ने उठाया था।

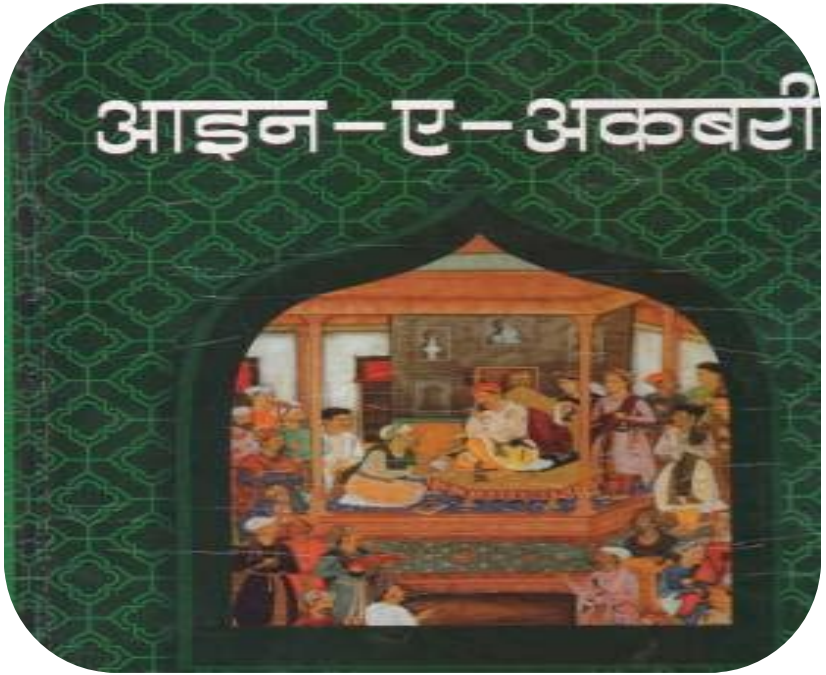

Ain was part of a larger project of history writing commissioned by Akbar. This history, known as the Akbar Nama, comprised three books.

आइन इतिहास लिखने के एक ऐसे बृहत्तर परियोजना का हिस्सा थी जिसकी पहल अकबर ने की थी। इस परियोजना का परिणाम था अकबरनामा जिसे तीन जिल्दों में रचा गया।

अबुल फ़ज़्ल अपने आश्रयदाता को अकबरनामा की पांडुलिपि पेश कर रहे हैं

First two provided a historical narrative

पहली दो जिल्दों ने ऐतिहासिक दास्तान पेश की।

Ain-i Akbari, the third book, was organised as a compendium of imperial regulations and a gazetteer of the empire.

तीसरी जिल्द, आइन-ए-अकबरी, को शाही नियम कानून के सारांश और साम्राज्य के एक राजपत्र की सूरत में संकलित किया गया था।

Ain gives detailed accounts of the organisation of the court, administration and army, the sources of revenue and the physical layout of the provinces of Akbar's empire and the literary, cultural and religious traditions of the people.

आइन कई मसलों पर विस्तार से चर्चा करती है : दरबार, प्रशासन और सेना का संगठन; राजस्व के स्रोत और अकबरी साम्राज्य के प्रांतों का भूगोल; और लोगों के साहित्यिक, सांस्कृतिक व धार्मिक रिवाज।

informed the emperor about the varied and diverse customs and practices prevailing across his extensive territories.

बादशाह को साम्राज्य के तमाम इलाकों में प्रचलित रिवाजों और पेशों की जानकारी दी।

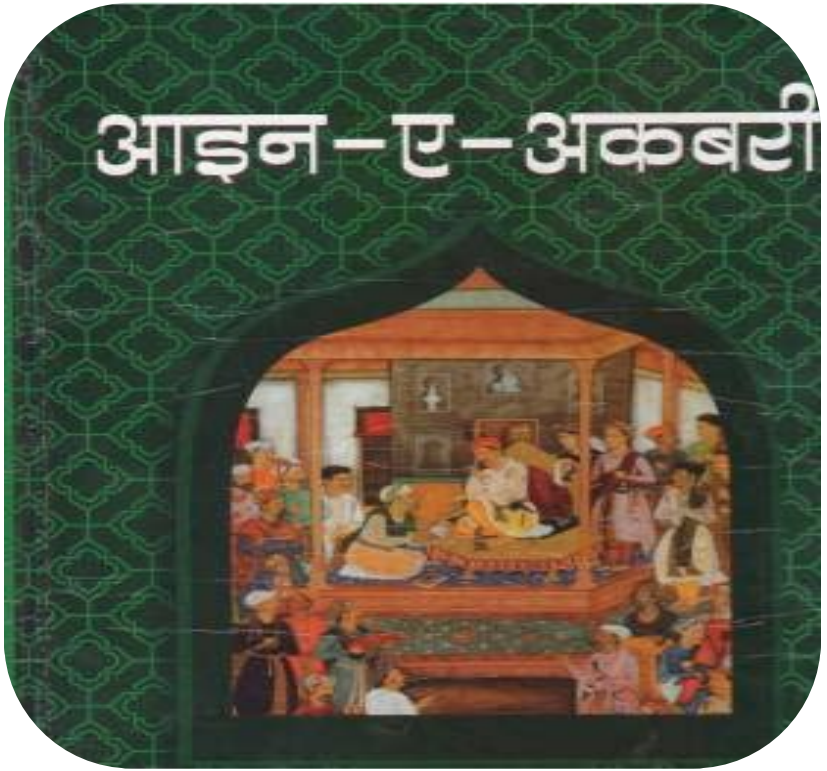

Ain is made up of five books (daftars)

आइन पाँच भागों (दफ्तर) का संकलन है

First three books describe the administration.

पहले तीन भाग प्रशासन का विवरण देते हैं।

First book, called manzil-abadi, concerns the imperial household and its maintenance.

मंज़िल-आबादी के नाम से पहली किताब शाही घर-परिवार और उसके रख-रखाव से ताल्लुक रखती है।

Second book, sipah-abadi, covers the military and civil administration and the establishment of servants.

दूसरा भाग, सिपह–आबादी सैनिक व नागरिक प्रशासन और नौकरों की व्यवस्था के बारे में है।

This section has detailed statistical information, which includes the geographic, topographic and economic profile of all subas and their administrative and fiscal divisions (sarkars, parganas and mahals), total measured area, and assessed revenue (jama).

इस खंड में सांख्यिकी सूचनाएँ तफ़सील से दी गई हैं, जिसमें सूबों और उनकी तमाम प्रशासनिक व वित्तीय इकाइयों (सरकार, परगना और महल) के भौगोलिक, स्थलाकृतिक और आर्थिक रेखाचित्र भी शामिल हैं। इसी खंड में हर प्रांत और उसकी अलग-अलग इकाइयों की कुल मापी गई ज़मीन और निर्धारित राजस्व (जमा) भी दी गई हैं।

After setting out details at the suba level, the Ain goes on to give a detailed picture of the sarkars below the suba.

सूबा स्तर की विस्तृत जानकारी देने के बाद, आइन हमें सूबों के नीचे की इकाई सरकारों के बारे में विस्तार से बताती है।

This it does in the form of tables, which have eight columns giving the following information: (1) parganat/mahal; (2) qila (forts);

ये सूचनाएँ तालिकाबद्ध तरीके से दी गई हैं, जहाँ हर तालिका में आठ ख़ाने हैं जो हमें निम्नलिखित सूचनाएँ देते हैं : (1) परगनात/महल; (2) क़िला;

(3) arazi and zamin-i paimuda (measured area);

(4) naqdi, revenue assessed in cash;

(5) suyurghal, grants of revenue in charity;

(3)अराज़ी और जमीन–ए–पाईमूद (मापे गए इलाके);

(4)नकदी (नक़द निर्धारित राजस्व);

(5)सुयूरग़ल (दान में दिया गया राजस्व अनुदान);

(6) zamindars; columns 7 and 8 contain details of the castes of these zamindars, and their troops including their horsemen (sawar), foot-soldiers (piyada) and elephants (fil).

(6) ज़मींदार; ख़ाने 7 और 8 में ज़मींदारों की जातियाँ और उनके घुड़सवार, पैदल सिपाही (प्यादा) व हाथी (फ़ील) सहित उनके फ़ौज की जानकारी दी गई है।

The mulk-abadi gives a fascinating, detailed and highly complex view of agrarian society in northern India.

मुल्क–आबादी उत्तर भारत के कृषि समाज का विस्तृत, आकर्षक व पेचीदा चित्र पेश करती है।

The fourth and fifth books (daftars) deal with the religious, literary and cultural traditions of the people of India and also contain a collection of Akbar's "auspicious sayings".

चौथी और पाँचवीं किताबें (दफ्तर) भारत के लोगों के मज़हबी, साहित्यिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों से ताल्लुक रखती हैं; इनके आखिर में अकबर के "शुभ वचनों" का एक संग्रह भी है।

❖ "Moistening the rose garden of fortune"

In this extract Abu'l Fazl gives a vivid account of how and from whom he collected his information: ... to Abul Fazl, son of Mubarak ... this sublime mandate was given. "Write with the pen of sincerity the account of the glorious events and of our dominion-conquering victories ...

❖ "खुशकिस्मती के गुलाब बाग की सिंचाई"

नीचे दिये गए अंश में अबुल फ़ज़्ल ने बड़े साफ़ तौर पर ये खुलासा किया है कि उसने कैसे और किनसे अपनी सूचनाएँ हासिल कीं: ...अबुल फ़ज़्ल, वल्द मुबारक... को यह शानदार हुक्म दिया गया, "शानदार घटनाओं और राज्य-क्षेत्र अधीन करने वाली हमारी फ़तहों की दास्तान ईमानदारी के कलम से लिखो..."।

Assuredly, I spent much labour and research in collecting the records and narratives of His Majesty's actions and I was a long time interrogating the servants of the State and the old members of the illustrious family

तसल्ली से, मैंने काफ़ी खोजबीन और मिहनत करके महामहिम की गतिविधियों के सबूत और दस्तावेज़ इकट्ठे किए और बहुत समय तक राज्य के मुलाज़िमों व शाही परिवार के सदस्यों के साथ जवाब तलब किया।

I examined both prudent, truth-speaking old men and active-minded, right actioned young ones and reduced their statements to writing. The Royal commands were issued to the provinces, that those who from old service remembered, with certainty or with adminicle of doubt, the events of the past, should copy out the notes and memoranda and transit them to the court.

मैंने सच बोलने वाले समझदार बुज़ुर्गों और फ़ुर्तीले दिमाग वाले, सत्यकर्मी जवानों दोनों (की बातों) को परखा, और उनके बयानों को लिखित रूप से दर्ज किया। सूबों को शाही हुक्म जारी किया गया कि पुराने मुलाज़िमों में जिस किसी को बीते वक्त की घटनाएँ याद हों, पूरे विश्वास के साथ या मामूली शक के साथ (भी), वे अपने संस्मरण को लिखें और उसे दरबार भेज दें,

(Then) a second command shone forth from the holy Presence-chamber; to wit – that the materials which had been collected should be ... recited in the royal hearing, and whatever might have to be written down afterwards, should be introduced into the noble volume as a supplement, and that such details as on account of the minuteness of the inquiries and the minutae of affairs, (which) could not then be brought to an end, should be inserted afterwards at my leisure.

(फिर) उस पाक–मौजूदगी के कक्ष से एक और हुक्म रौशन हुआ; वो ये, कि जो सामग्री जमा की जाए... उसे शाही मौजूदगी में पढ़कर सुनाया जाए, और बाद में जो कुछ भी लिखा जाना हो, उसे उस महान किताब में परिशिष्ट की शक्ल में जोड़ दिया जाए, और ये कि ऐसे ब्योरे जो जाँच–पड़ताल की बारीकियों की वजह से, या मामले की बारीकियों की वजह से, उसी समय अंजाम तक नहीं लाए जा सके, उन्हें मैं बाद में दर्ज करूँ ।

Being relieved by this royal order – the interpreter of the Divine ordinance – from the secret anxiety of my heart, I proceeded to reduce into writing the rough draughts (drafts)which were void of the grace of arrangement and style.

ईश्वरी अध्यादेश का ख़ुलासा करने वाले इस शाही हुक्म (की वजह) से अपनी गुप्त फ़िक्र से राहत पाकर, मैंने ऐसे कच्चे प्रारूप लिखने की शुरुआत की, जिसमें शैली या विन्यास की ख़ूबसूरती नहीं थी।

I obtained the chronicle of events beginning at the Nineteenth Year of the Divine Era, when the Record Office was established by the enlightened intellect of His Majesty, and from its rich pages, I gathered the accounts of many events. Great pains too, were taken to procure the originals or copies of most of the orders which had been issued to the provinces from the Accession up to the present-day ...

मैंने इलाही संवत के उन्नीसवें साल से – जब महामहिम की दानिशमंद अक्ल से दस्तावेज़ दफ़्तर स्थापित किया गया था – घटनाओं का इतिहासवृत्त हासिल किया, और उसके भरे-पूरे पन्नों से मैंने कई मामलों का ब्योरा पाया। काफ़ी तकलीफ़ें उठाकर उन सभी हुक्मों की मूल प्रति या नकल हासिल की गई जो राज्याभिषेक से लेकर आज तक सूबों को जारी किए गए थे।

I also took much trouble to incorporate many of the reports which ministers and high officials had submitted, about the affairs of the empire and the events of foreign countries. And my labour-loving soul was satiated by the apparatus of inquiry and research.

काफ़ी दिक्कतों का सामना करते हुए, मैंने उनमें से कई रिपोर्टों को भी शामिल किया जो साम्राज्य के विभिन्न मामलों या दूसरे देशों में घटी घटनाओं के बारे में थीं और जिन्हें ऊँचे अफ़सरों और मंत्रियों ने भेजा था। और जवाबतलब व खोजबीन के तंत्र से मेरी मिहनतपसंद रूह संतृप्त हो गई।

I also exerted myself energetically to collect the rough notes and memoranda of sagacious and well-informed men. By these means, I constructed a reservoir for irrigating and moistening the rose garden of fortune (the Akbar Nama).

बड़ी कर्मठता के साथ मैंने वे कच्चे मसौदे व ज्ञापनपत्र भी हासिल किए जो जानकार और दूरदर्शी लोगों ने लिखे थे। इन तरीकों से खुशकिस्मती के इस गुलाब बाग (अकबरनामा) को सींचने और नमी देने के लिए मैंने हौज़ बनाया।

Ain was officially sponsored to record detailed information to facilitate Emperor Akbar govern his empire

बादशाह अकबर के शासन की सहूलियत के लिए आइन को आधिकारिक तौर पर विस्तृत सूचनाएँ जमा करने के लिए प्रायोजित किया गया था

Numerous errors in totalling have been detected. These are ascribed to simple slips of arithmetic or of transcription by Abu'l Fazl's assistants.

जोड़ करने में कई ग़लतियाँ पाई गई हैं। ऐसा माना जाता है कि या तो ये अंकगणित की छोटी-मोटी चूक है या फिर नकल उतारने के दौरान अबुल फ़ज़्ल के सहयोगियों की भूल।

Another limitation of the Ain is the somewhat skewed nature of the quantitative data. Data were not collected uniformly from all provinces.

आइन की एक और सीमा यह है कि इसके संख्यात्मक आँकड़ों में विषमताएँ हैं। सभी सूबों से आँकड़े एक ही शक्ल में नहीं एकत्रित किए गए।

❖ "Translating the Ain

Given the importance of the Ain, it has been translated for use by a number of scholars. Henry Blochmann edited it and the Asiatic Society of Bengal, Calcutta (present-day Kolkata), published it in its Bibliotheca Indica series.

❖ आइन का अनुवाद

आइन की अहमियत की वजह से, कई विद्वानों ने इसका अनुवाद किया। हेनरी ब्लॉकमेन ने इसे संपादित किया और कलकत्ता (आज का कोलकाता) के एशियाटिक सोसाइटी ने अपनी बिब्लियोथिका शृंखला में इसे छापा।

The book has also been translated into English in three volumes. The standard translation of Volume 1 is that of Henry Blochmann (Calcutta 1873). The other two volumes were translated by H.S. Jarrett (Calcutta 1891 and 1894).

इस किताब का तीन खंडों में अंग्रेज़ी अनुवाद भी किया गया। पहले खंड का मानक अंग्रेज़ी अनुवाद ब्लॉकमेन का है (कलकत्ता, 1873), बाकी के दो खंडों के अनुवाद एच. एस. जैरेट ने किए (कलकत्ता, 1891 और 1894)।

THANKS
FOR
WATCHING